गरवी गुजरात

RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 138
दि. 17.09.2025,
बुधवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

डेनमार्क के पीएम के साथ प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत, भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते पर हुई बात

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ टेलीफोन पर बातचीत के

दौरान पारस्परिक रूप से लाभकारी भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के समापन के लिए अपने देश का मजबूत समर्थन व्यक्त किया। भारत और डेनमार्क के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच मंगलवार को टेलीफोन पर बातचीत हुई।

पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर ट्रम्प ने फोन कर दी बधाई? क्या भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर बात बनी?

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 17 सितंबर 2025 को 75वां जन्मदिन है। जन्मदिन की पूर्व संध्या पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पीएम मोदी को फोन कर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। पीएम मोदी ने खुद सोशल मीडिया पर ये जानकारी शेयर की है।

यह बधाई ऐसे समय में आई है, जब दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते (ट्रेड डील) को लेकर बातचीत फिर से शुरू हो गई है। मंगलवार को दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच लगभग सात घंटे तक बैठक चली। इसके कुछ घंटे बाद पीएम नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति ट्रम्प ने बधाई दी।

पीएम मोदी बोले- मेरे दोस्त राष्ट्रपति ट्रंप ने बधाई दी

पीएम मोदी ने पर एक पोस्ट के जरिए ये जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, "मेरे दोस्त, राष्ट्रपति ट्रंप, मेरे 75वें जन्मदिन पर आपके फोन कॉल और हार्दिक शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद।"

पीएम मोदी ने आगे कहा, "आपकी तरह मैं भी भारत-अमेरिका व्यापक और वैश्विक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। हम यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान की दिशा में आपकी पहल का समर्थन करते हैं।"

पीएम मोदी को जमदिन को बधाई देने के बाद ट्रम्प ने भी ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट लिखी, जिसमें उन्होंने लिखा, "अभी-अभी मेरे मित्र, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक अद्भुत फोन कॉल हुई। मैंने उन्हें जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं दीं! वह शानदार काम कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्त करने में आपके समर्थन के लिए धन्यवाद!"

अमेरिकी दूतावास ने भी पुष्टि की कि द्विपक्षीय व्यापार वार्ता को लेकर हुई यह बैठक काफी सकारात्मक रही। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय व्यापार की अहमियत को स्वीकार करते हुए सकारात्मक और भविष्य पर केंद्रित चर्चाएं कीं। इस बैठक में व्यापार समझौते (बीटा) को जल्द पूरा करने के लिए प्रयासों को तेज करने का निर्णय लिया गया। ध्यान रहे कि एक सप्ताह के भीतर दोनों नेताओं के बीच यह दूसरी बातचीत थी।

गौरतलब हैं कि अमेरिका डोनाल्ड ट्रम्प ने दोबारा सत्ता संभालने के कुछ महीने बाद से ही भारत पर रूस से तेल खरीदन से रोकने के लिए दबाव बना रहा है ओर अब तक भारत से निर्यात किए जाने वाली वस्तुओं पर पहले 25 फीसदी और उसके बाद 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ जुमार्ना बताकर लगा दिया है।

माओवादियों ने सशस्त्र संघर्ष को अस्थायी रूप से स्थगित करने और शांति वार्ता शुरू करने के लिए संघर्ष विराम का आह्वान किया

(जीएनएस)।

खबरों के अनुसार, प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) ने शांति वार्ता को सक्षम बनाने के लिए अपनी सशस्त्र गतिविधियों पर अस्थायी रोक लगाने की घोषणा की है। समूह ने सरकार से एक महीने के युद्धविराम की घोषणा करने और इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए सुरक्षा अभियानों को निलंबित करने का अनुरोध किया है। छत्तीसगढ़ सरकार वर्तमान में इस बयान की प्रामाणिकता की पुष्टि कर रही है, जो मंगलवार को सोशल मीडिया पर सामने आया था।

कथित बयान में, माओवादियों ने सरकार से अपनी बात इंटरनेट प्लेटफॉर्म और रेडियो सहित आधिकारिक समाचार मीडिया के माध्यम से संप्रेषित करने का आग्रह किया। 15 अगस्त को जारी इस बयान को माओवादियों की केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय ने जारी किया था। यह घटनाक्रम छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में

सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में {CPI (Maoist)} के महासचिव, नंबला केशव राव, जिन्हें बसवराजू के नाम से भी जाना जाता है, की मृत्यु के लगभग चार महीने बाद हुई है।

गृह विभाग का प्रभार संभालने वाले उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बयान की प्रामाणिकता की जांच की जा रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आत्मसमर्पण करना और पुनर्वास लाभ प्राप्त करना माओवादियों के लिए सबसे अच्छा रास्ता है। शर्मा ने कहा कि "युद्धविराम" शब्द आपत्तिजनक है क्योंकि ऐसी कोई युद्ध जैसी स्थिति नहीं है जिसकी आवश्यकता हो। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में बातचीत सशर्त नहीं हो सकती, फिर भी माओवादियों द्वारा पूर्व शर्तें निर्धारित की गई हैं।

माओवादियों ने दावा किया कि उन्होंने पहले सरकार को युद्धविराम का प्रस्ताव दिया था, जिसमें अपने सर्वोच्च नेतृत्व के साथ परामर्श करने के लिए एक महीने का समय मांगा था। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी और इसके बजाय अभियानों को तेज कर दिया।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति से मुलाकात की

(जीएनएस)।

मॉरीशस गणराज्य के प्रधानमंत्री माननीय डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम ने आज (16 सितंबर, 2025) राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस मुलाकात के साथ ही प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम की 9 से 16 सितंबर तक की भारत की राजकीय यात्रा संपन्न हुई। इस राजकीय यात्रा के दौरान उन्होंने मुंबई, वाराणसी, अयोध्या और तिरुपति का दौरा किया।

राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम और उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति, 'महासागर विजन' और ग्लोबल साउथ के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में मॉरीशस का विशेष स्थान है।

राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत और मॉरीशस के बीच साझेदारी एवं सहयोग हर क्षेत्र में निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि हाल ही में दोनों देशों के संबंधों को 'उन्नत रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक ले जाने में परिलक्षित होती है।

राष्ट्रपति को यह जानकर खुशी हुई कि भारत मॉरीशस सरकार की विकास संबंधी प्राथमिकताओं का समर्थन कर रहा है और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नया विशेष आर्थिक पैकेज मॉरीशस सरकार और जनता की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल, सड़क, बंदरगाह विकास, रक्षा खरीद और संयुक्त निगरानी जैसी परियोजनाएं बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगी और आने वाले वर्षों में लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालेंगी। उन्होंने आगे कहा कि द्विपक्षीय सहयोग अब डिजिटल तकनीकों और अंतरिक्ष क्षेत्र सहित नए क्षेत्रों में भी बढ़ रहा है।

दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि हमारे दोनों देशों के बीच संबंध अनूठे हैं, जो हमारे साझा इतिहास, भाषा, संस्कृति और मूल्यों पर आधारित हैं। राष्ट्रपति ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम के व्यापक नेतृत्वकारी अनुभव से, भारत-मॉरीशस के दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंध आने वाले समय में और भी मजबूत होंगे।

पीएम विश्वकर्मा के दो साल पूरे: गुजरात के 1.81+ लाख कारीगर सशक्त, अब तक ₹290+ करोड़ का लोन वितरण

गांधीनगर, 16 सितम्बर: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अनुसार भारतीय कारीगरों की कला और कौशल केवल आर्थिक साधन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। देश के इन्हीं पारंपरिक कारीगरों को सशक्त बनाने और उनके हुनर को वैश्विक पहचान देने के उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 2023 में अपने जन्मदिवस 17 सितम्बर के दिन प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की शुरूआत की। उनका यह प्रयास पारंपरिक हुनर को आधुनिक स्वरूप में विकसित करने, कारीगरों को वित्तीय और तकनीकी सशक्तिकरण देने तथा उन्हें नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए है।

गुजरात उनके इस महत्वाकांक्षी संकल्प को मूर्त रूप देने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में राज्य ने केवल दो वर्षों में ही पीएम विश्वकर्मा योजना का प्रभावी और परिणाममुखी कार्यान्वयन सुनिश्चित किया है, जिससे कारीगरों की क्षमता, कौशल और आर्थिक स्थिति में ठोस सुधार देखने को मिला है।

₹390+ करोड़ के लोन, 2.14+ लाख सत्यापन और 1.81+ लाख प्रशिक्षण के साथ गुजरात का शानदार प्रदर्शन

गुजरात में पीएम विश्वकर्मा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के आंकड़े दर्शाते हैं कि वित्तीय सशक्तिकरण के क्षेत्र में राज्य ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अब तक 43,000+ कारीगरों के लिए कुल ₹390+ करोड़ के ऋण स्वीकृत कर दिए गए हैं, जिनमें से 32,000+ कारीगरों को ₹290+ करोड़ लोन का वितरण किया जा चुका है। वहीं पंजीकरण और सत्यापन प्रक्रिया में भी गुजरात का प्रदर्शन अच्छा है। अब तक राज्य में 2.14+ लाख कारीगरों का त्रि-स्तरीय सत्यापन पूरा हो चुका है।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना केवल वित्तीय सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि कौशल विकास को भी प्राथमिकता देती है। इसी दिशा में 1.81+ लाख कारीगरों ने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है, जिससे उनकी दक्षता और कार्यकुशलता में बढ़ोतरी हुई है।

इतना ही नहीं, कारीगरों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए राज्य ने एक विशेष हेल्पडेस्क की भी स्थापना की है, जिससे अब तक 17,500 से अधिक शिकायतें सफल संबोधन हुआ है।

उरउ के माध्यम से पंजीकरण और तीन-स्तरीय सत्यापन प्रणाली से पारदर्शिता

गुजरात में पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत कारीगरों का पंजीकरण कॉमन सर्विस सेंटर (उरउ) के माध्यम से किया जा रहा है। आवेदन प्रक्रिया को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए राज्य में तीन-स्तरीय सत्यापन प्रणाली लागू की गई है। पहले स्तर पर लाभार्थी की जाँच ग्राम पंचायत या शहरी स्थानीय निकाय (वछइ) द्वारा की जाती है। इसके बाद दूसरे स्तर पर अनुमोदन प्रक्रिया जिला कार्यान्वयन समिति (उक्अ२) करती है। और अंतिम चरण में, सत्यापन प्रक्रिया टरटए-उक्अ की अध्यक्षता वाली राज्य स्तरीय समिति करती है। इस त्रि-स्तरीय तंत्र ने पीएम विश्वकर्मा योजना की विश्वसनीयता और पारदर्शिता को मजबूत किया है, जिससे अधिक से अधिक कारीगर बिना किसी बाधा के योजना से जुड़ पा रहे हैं।

एशिया कप मुकाबले में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान पर आठ रन से जीत हासिल की

बांग्लादेश ने एक महत्वपूर्ण ग्रुप लीग मैच में अफगानिस्तान पर आठ रन से संकरी जीत हासिल की, जिससे एशिया कप सुपर फोर में

उनकी उम्मीदें बरकरार हैं। श्रीलंका से छह विकेट से हारने के बाद, बांग्लादेश को इस जीत की जरूरत थी, जो एक करीबी मुकाबले में सामूहिक प्रयास से हासिल हुई, जहाँ गति अक्सर बदलती रहती थी। आधे समय में, अफगानिस्तान का पलड़ा भारी लग रहा था, जिसने बांग्लादेश को पाँच विकेट पर 154 रन पर रोक दिया था। हालाँकि, वे लड़खड़ा गए और 20 ओवर में 146 रन पर आउट हो गए। अजमतुल्लाह ओमरजई की 16 गेंदों में 30 रन की तेज पारी।

'एआई' का उद्देश्य मानवता की सेवा होना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

एआई भारत के प्राचीन ज्ञान और ज्ञान प्रणालियों को विश्व तक पहुँचाने के सशक्त माध्यम के रूप में कार्य कर सकता है: लोक सभा अध्यक्ष

प्रौद्योगिकी का सही उद्देश्य मानवीय अनुभव को समृद्ध बनाना है: लोक सभा अध्यक्ष

लोक सभा अध्यक्ष ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार में "फेथ एण्ड फ्यूचर: इंटेग्रेटिंग एआई विद स्पिरिचुयलिटी " विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

(जीएनएस)।

लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को सदैव मानवता की सेवा करनी चाहिए और इसे मानव को नियंत्रित करने का साधन नहीं बनने देना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एआई आध्यात्मिक ज्ञान और नैतिक उत्तरदायित्व पर आधारित हो, तभी इससे समाज की भलाई हो सकती है।

श्री बिरला ने यह बातें हरिद्वार स्थित देव संस्कृति विश्वविद्यालय में " फेथ एण्ड फ्यूचर : इंटेग्रेटिंग एआई विद स्पिरिचुयलिटी " विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उद्घाटन भाषण देते हुए कहीं । यह सम्मेलन फ्यूचर ऑफ लाइफ इंस्टीट्यूट (अमेरिका) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि प्रौद्योगिकी का वास्तविक उद्देश्य मानव अनुभव को समृद्ध बनाना है, न कि उसका स्थान लेना। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एआई से कई चुनौतियाँ तो आती हैं, लेकिन इसके साथ ही इससे नए समाधान भी निकलते हैं ।

सैन्य कार्य विभाग ने राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक संचालित किया

सैन्य कार्य विभाग (डीएमए) ने स्वच्छता और कार्य कुशलता को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता में नवंबर 2024 और अगस्त 2025 के बीच पूरे देश में 350 स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक संचालित किए हैं। इस अवधि के दौरान, 40,245 फाइलों की समीक्षा की गई, 15,535 फाइलों का निपटान किया गया और कार्यालयों द्वारा प्रति सप्ताह दो घंटे स्वच्छता गतिविधियों के लिए समर्पित किए गए।

इसके अतिरिक्त, इस अवधि के दौरान 16,497 सूचना का अधिकार (आरटीआई) आवेदन, 1,119 आरटीआई अपील, 4,990 केंद्रीकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएमएस) शिकायतें, 1,008 सीपीजीआरएएमएस अपील, 1 प्रधानमंत्री कार्यालय संदर्भ तथा 14 वीआईपी संदर्भों का निपटारा किया गया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर के जासपुर में जगत जननी माँ उमिया का दर्शन कर पूजा-अर्चना की

ऐतिहासिक विश्व उमियाधाम के 1551 धर्मस्तंभ पर 9 लाख घनफीट के कंक्रीट राफ्ट के कार्यारंभ अवसर पर मुख्यमंत्री की उपस्थिति

गांधीनगर, 16 सितंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल गांधीनगर जिले के जासपुर में निर्मित होने जा रहे विश्व उमियाधाम में मंगलवार को 1551 धर्मस्तंभ पर 9 लाख घनफीट के कंक्रीट राफ्ट के कार्यारंभ के साक्षी बने। उन्होंने इस अवसर पर माँ उमिया के नवनिर्मित मंदिर निर्माण का भी निरीक्षण किया।

यहाँ उल्लेखनीय है कि ऐतिहासिक माँ उमिया का मंदिर 1551 धर्मस्तंभ पर आकार ले रहा है। उसका राफ्ट कास्टिंग लगातार 3 दिनों यानी 72 घण्टोंमें भरा जाएगा।

इस अवसर पर विश्व उमियाधाम के ट्रस्टी, विख्यात अभिनेता विवेक ओबेरॉय, दाता, संनिष्ठ कार्यकर्ता तथा सामाजिक अग्रणी भी मुख्यमंत्री के साथ सहभागी हुए।

सम्पादकीय

इसराइल नाराज मुस्लिम देश

संकट में अब्राहम समझौता भूराजनीति में समय का बहुत महत्व होता है। 15 सितम्बर 2020 से लेकर 2025 में इसी तारीख तक काफी कुछ बदल चुका है। व्हाइट हाउस के गलियारे में 2020 में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में अब्राहम समझौते संपन्न हुआ था, जिसके तहत बहरीन और यूएई जैसे इस्लामिक देशों ने इजरायल के साथ आने की सहमति जताई थी। असल में ईसाई, इस्लाम और यहूदी धर्म में अब्राहम ऐसे इंसान है, जिनका समान रूप से सम्मान है। ऐसे में उनके ही नाम पर यह अहम समझौता हुआ था लेकिन मजे की बात तो यह है कि जिस 15 सितम्बर की तारीख को यह समझौता हुआ था उसी दिन इजरायल के खिलाफ 60 इस्लामिक देशों का कतर की राजधानी में जुटान हुआ यानि अब्राहम समझौते का अस्तित्व 5 वर्ष में ही संकट ग्रस्त हो गया। सच तो यह है कि इजरायल ने कतर की राजधानी दोहा पर पिछले सप्ताह हमला करके हमास नेताओं को ठिकाने लगा दिया था, इसलिए वह यह बात भी भूल गया कि यमन तो दुनिया दो परस्पर विरोधियों का समझौता कराने के लिए मशहूर है। पाकिस्तान, सऊदी अरब, यूएई और मिस्र सहित 60 देशों ने इजरायल के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया। इसके अलावा फिलस्तीन को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता देने वाले देशों की संख्या बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र में एक प्रस्ताव लाने की बात हुई। भूराजनीतिक मामलों के विशेषज्ञ मानते हैं कि इजरायल ने जिस तरह गाजा में हालात बद से बदतर कर दिए हैं और जब जहां चाहता है वहीं बमों की वर्षात कर देता है, इससे सारे ही इस्लामिक देश बेचैनी महसूस करने लगे हैं। यही कारण है कि जिस अब्राहम समझौते के तहत इस्लामिक देश इजरायल से नजदीकियां बढ़ाने के लिए संभावनाएं तलाश रहे थे, अब सभी एकमत से इस समझौते को भूल कर इजरायल से अपनी जान बचाने की चिन्ता करने लगे हैं। इन इस्लामिक देशों को लगता है कि इजरायल के मौजूदा दृष्टिकोण के रहते अब उससे नजदीकी बढ़ाना नुकसानदेह हो सकता है। अब्राहम समझौते की अहमियत का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इस समझौते के बाद जहां यूएई की कम्पनियों ने इजरायली टेक स्टार्टअप्स में निवेश किया था और गैस व तकनीक से जुड़े क्षेत्रों में पैसा लगाया था, वहीं इजरायल की सैंकड़ों वंपनियों ने यूएई में काम करना शुरू किया था। इजरायल और यूएई के बीच जुलाई 2025 तक 293 मिलियन डालर तक कारोबार पहुंच चुका था। एक आंकलन के मुताबिक यूएई के साथ इजरायल का कारोबार पिछले वर्ष की अपेक्षा 4 प्रातिशत अधिक था जबकि एक और इस्लामिक देश मोरक्को के साथ कारोबार में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। मतलब यह कि इस्लामिक देश तो फिलस्तीन की वजह से इजरायल को दुश्मन मानते रहे हैं। एक वक्त तो ऐसा भी आया कि सात इस्लामिक देशों ने मिलकर एक साथ इजरायल के खिलाफ हमला कर दिया था। यह दूसरी बात है कि अमेरिका की मदद से इजरायल ने सभी शत्रु हमलावरों को न सिर्फ हरा दिया बल्कि उनके हौंसले भी पस्त कर दिए। इस्लामिक देशों के मन-मस्तिष्क में इजरायल का डर इस हद तक बैठ गया था कि कोई भी इस्लामिक देश अकेले उससे भिड़ने का साहस नहीं जुटा पाता था। ईरान ने एच-3 यानि हूती, हिजबुल्ला और हमास का वित्त पोषण करने के लिए अपने बजट की निति राशि खर्च करने की नीति अपनाई किन्तु फिर भी वह इजरायल को कमजोर करने की बजाए इतना संघर्षशील बना दिया कि वह सभी आतंकी गुटों से निपटने में खुद को समर्थ पाता था। बहरहाल अब्राहम समझौते के कारण इस्लामिक देशों को इजरायल के साथ मिलकर व्यापार करने का एक बहाना मिला हुआ था। किन्तु जिस तरह इजरायल अब बिना किसी हिचक के इस्लामिक देशों में बम बरसा रहा है, उसी से इस्लामिक देशों को अब इजरायल से दूरी बनाने का बहाना मिल गया है। यही नहीं अब नाटो की तर्ज पर ये सभी इस्लामिक देश अपनी फौजी संगठन बनाने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। इजरायल यह समझ पाने में असमर्थ रहा कि अब्राहम समझौते से हूती, हिजबुल्ला और हमास तीनों परेशान थे। उन्हें यह अच्छा नहीं लग रहा था अब्राहम समझौते को आधार मानकर इस्लामिक देश इजरायल के साथ व्यावसायिक संबंध स्थापित करें।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में दिल्ली में संपन्न हुआ 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-रबी अभियान -2025'

दो दिवसीय सम्मेलन में राज्यों के कृषि मंत्रीगण और वरिष्ठ अधिकारी हुए शामिल, विभिन्न सत्रों में किया गहन विचार-विमर्श

नकली-घटिया खाद-बीज, कीटनाशक किसी भी कीमत पर बिकने नहीं देंगे, बेचने पर होगी सख्त कार्रवाई- श्री शिवराज सिंह चौहान

किसान कॉल सेंटर को प्रभावी बनाने की कोशिश - श्री शिवराज सिंह

किसानों की शिकायतों के समाधान के साथ ही किसानों को पूरा न्याय दिलाएंगे - श्री शिवराज सिंह

(जीएनएस)।

दो दिवसीय 'राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन-रबी अभियान -2025' केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में दिल्ली में संपन्न हुआ। इसमें राज्यों के कृषि मंत्रीगण और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिन्होंने विभिन्न सत्रों में कृषि के विकास के लिए गहन विचार-विमर्श किया। इसके समापन सत्र में शिवराज सिंह ने कहा कि नकली या घटिया खाद-बीज, कीटनाशक किसी भी कीमत पर बिकने नहीं देंगे, इन्हें बेचने वालों के खिलाफ कड़ा कानून बनाने की तैयारी की गई है। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों को इस संबंध में परेशानी से बचाना हमारा दायित्व है, इसके लिए सभी राज्यों का सहयोग आवश्यक है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि किसान कॉल सेंटर को प्रभावी बनाने की कोशिश की जा रही है, राज्य स्तर भी इसके असरकारी तंत्र होना चाहिए। श्री शिवराज सिंह ने जोर देकर कहा कि किसानों की शिकायतों के समाधान के साथ ही किसानों को पूरा न्याय दिलाएंगे, हमारे लिए हमारे किसान सर्वोपरि हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ अधिकाधिक किसानों को दिलाने के लिए प्रयास करने का अनुरोध भी सभी राज्यों से किया।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि किसानों के हित में देशभर के कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) और राज्यों के कृषि प्रसार के अमले को सुदृढ़ करने की जरूरत है, ये खेती-किसानी को उन्नत करने के लिए अहम माध्यम है।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने 3 अक्टूबर से शुरू किए जाने वाले विकसित कृषि संकल्प अभियान को सफल बनाने के लिए सभी राज्यों और कृषि मंत्रियों से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि 'लैब टू लैंड' की संकल्पना को साकार करने के लिए यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

श्री शिवराज सिंह ने कहा कि इस सम्मेलन में दो दिन तक बहुत गंभीरता से मंथन किया गया है, जिसके लिए सभी राज्यों के कृषि मंत्रीगण और सारे अधिकारी बधाई के पात्र है। उन्होंने कहा कि इससे निश्चित रूप से रबी फसलों के सीजन में बहुत अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

उन्होंने, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को किसानों का हित सुनिश्चित करने के सभी की ओर से धन्यवाद दिया, साथ ही ऐतिहासिक ऋ्रळ सुधारों को गांव-गांव तक पहुंचाने और इसका लाभ दिलाना सुनिश्चित करने के लिए जुटने का आह्वान भी किया। साथ ही, श्री शिवराज सिंह ने सभी से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की अपील पर स्वदेशी अपनाने का अनुरोध भी किया।

इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री श्री भागीरथ चौधरी, श्री एन. चालुवर्यस्वामी, कृषि मंत्री, कर्नाटक, श्री सूर्य प्रताप शाही, कृषि मंत्री, उत्तर प्रदेश, श्री बलदेव सिंह औलख, कृषि राज्य मंत्री, उत्तर प्रदेश, श्री दिनेश प्रताप सिंह, उद्यान राज्य मंत्री, (स्वतंत्रप्रभार) उत्तर प्रदेश, श्री गेब्रियल डेनवांग वांगसू, कृषि मंत्री, अरुणाचल प्रदेश, श्री राम विचार नेताम, कृषि मंत्री, छत्तीसगढ़, श्री गुरमीत सिंह खु डि्डयाँ, कृषि मंत्री, पंजाब, डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, कृषि मंत्री, राजस्थान, श्री पी.सी वनलालरुआता, कृषि मंत्री, मिजोरम, श्री श्याम सिंह राणा, कृषि मंत्री, हरियाणा, श्री चन्द्र कुमार, कृषि मंत्री, हिमाचल प्रदेश, श्री तुम्मला नागेश्वर राव, कृषि मंत्री, तेलंगाना, श्री राघवजीभाई पटेल, कृषि मंत्री, गुजरात, श्री पूरन कुमार गुरुंग, कृषि मंत्री, सिक्किम, श्री विजय कुमार सिन्हा, कृषि मंत्री, बिहार, श्री एदल सिंह कंषाना, कृषि मंत्री, मध्य प्रदेश, सुश्री साल्होतुओनुओ क्रूस, बागवानी मंत्री, नागालैंड सहित कृषि सचिव श्री देवेश चतुर्वेदी, उर्वरक विभाग सचिव श्री रजत कुमार मिश्रा एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एम. एल. जाट उपस्थित थे।

नवरात्रों के दौरान सौन्दर्य टिप्स : शहनाज हुसैन

देश में त्योहारों का सीजन शुरू होने ही बाला है नवरात्रों से पाबन त्योहारों की शुरूआत मानी जाती है और नवरात्रे कुछ ही दिन बाद शुरू होने बाले हैं

नवरात्रो के बाद दशहरा , धनतेरस, दिवाली, करबा चौथ ,भाई दूज, छठ पूजा, सहित अनेक त्यौहार मनाये जायेंगे नवरात्रों के दौरान महिलाओं को डांडिया , गरबा डांस ,दुर्गा पूजा पंडालों सहित अनेक सामाजिक धार्मिक कार्यक्रमों में महिलाओं को परिवार सहित शिरकत करनी पड़ती है जहां काफी संख्या में जान पहचान के लोग रिश्तेदार इकठा होते हैं और इन पवित्र मौकों पर महिलायें भक्ति मय ,मस्ती ,जोश , उमंग से परिपूर्ण अपने सबसे सुन्दर और आकर्षक ब्यक्तित्व में दिखना चाहेंगी तो जाहिर है की इन त्योहारों की धूम के बीच महिलाएं सबसे खूबसूरत दिखना पसन्द करती हैं

नबरात्रों में मौसम तेजी से करबट लेता है और इस मौसम में ठण्ड तेजी से बढ़ना शुरू हो जाती है। ऐसे में बाताबरण में तापमान गिरने से नमी में कमी आ जाती है और त्वचा से जुडी अनेक सौन्दर्य समस्याएं खड़ी हो जाती हैं नवरात्रों में ज्यादातर महिलाएं ब्रत रखती हैं तथा अपनी ब्यस्तताओं की बजह से सही समय पर उचित फलाहार आदि नहीं ले पाती जिससे उनके स्वास्थ्य पर असर पड़ता है और चेहरा बुझा बुझा सा दिखने लगता है

लेकिन अगर आप अपनी सभी ब्यस्तताओं को निभाते हुए भी अपनी आभा और आकर्षण बरकरार रखना चाहती हैं तो आपको कुछ घरेलू उपाय करने होंगे

हमेशा यह ध्यान रखें की अगर आपका उत्सव खुले में आयोजित किया जा रहा है तो तो मात्र बेसिक तक ही सीमित रहें तथा हलके मेक अप पर भरोसा करें क्योंकि ज्यादा मेक अप गर्मी उमस या मौसम की मार से पिघल कर फैल जाएगा और आपका मूड खराब हो सकता है तथा आप उत्सव का पूरा आनन्द नहीं उठा पाएंगी उत्सव खुले में शिरकत करने जाती बार आप प्राइमर , फाउंडेशन या कन्सीलर ,आई मेक अप तथा सामान्य लिपस्टिक तक सीमित रखिये जिससे आप का मेक अप खराब न हो तथा आप उत्सव का भरपूर आनन्द उठा सकें

नवरात्रा के पाबन त्यौहार में अगर आप किसी पार्टी उस्तव या गरबा डांस में जा रही हैं तो केबल वाटर प्रूफ मेक अप पर केन्द्रित रहें बाताबरण में गर्मी तथा डांस से शरीर के तापमान में बढ़ोतरी से आप का मेक अप खराब हो सकता है तथा वाटर प्रूफ मेक अप से आई लाइनर ,लिपस्टिक ,फॉउंडेशन बनी रहेगी तथा आप उत्सव का आनन्द उठा सकेंगी

अगर आप परम्परागत स्कर्ट के साथ बैकलेस ब्लाउजचोली पहन कर किसी उत्सव , गरबा या डांडिया में जा रही हैं तो अपनी पीठ पर वैक्स या पोलिश करवाना कभी मत भूलियेगा लेकिन पीठ पर वैक्स या पोलिश उत्सव से कुछ दिन पहले करबा लीजिये ताकि अगर किसी किस्म के फोड़े , फुन्सी आदि की समस्या आये तो उसका समय रहते उपचार कर लिया जाये

आप उत्सव , गरबा या डांडिया में नाचने जा रही हैं या महज दर्शक बन कर उठाना चाहती हैं लेकिन दोनों ही मामलों में हलकी फाउंडेशन का उपयोग करें क्योंकि आपको पसीना आते ही भारी फाउंडेशन पिघलनी शुरू हो जाएगी और आपका मजा किरकिरा हो जायेगा

यदि आप हर रात्रि गरबा डांस एन्जॉय करना चाहती हैं तो आप को अपनी आँखों पर बिशेष ध्यान देने की जरूरत है ताकि आपकी आँखों में सूजन पफीनेस न आ जाये आँखों की सुन्दरता के लिए प्रीतिदिन आठदस घण्टे की नीन्द जरूर सुनिश्चित करें

अपने चेहरे या त्वचा पर मेक अप लगाने से पहले कुछ साबधानियाँ बरतेंगे तो आप का मेक अप आपकी त्वचा के अनुरूप आपके सौन्दर्य को निखारने में अहम भूमिका अदा करेगा जिससे आप सभी नौ नवरात्रों में खिली खिली नजर आएँगी त्वचा की टोनिंग क्लींजिंग प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है अच्छी टोनिंग से त्वचा पर जमे तैलीय पदार्थ , गन्दगी ,अबशेष आदि को हटाने में मदद मिलती है जिससे त्वचा को कोमल , पौषित , नमीयुक्त रखा जा सकता है तथा त्वचा का पी एच सन्तुलन बरकरार रहता है

अपने चेहरे की सुन्दरता के साथ ही अपने हाथ के नाखूनों और पाँवों पर जरूर ध्यान दीजिये नवरात्र शुरू होने से पहले मैनीक्योर व पेडीक्योर जरूर करवा लें अगर किसी बजह से आप सैलून जाने से कतरा रही हैं तो घर बैठे ही निम्बू जूस और चीनी के मिश्रण से अपने हाथों , पाँवों और टांगों की रगड़ कर मालिश कर लीजिये

त्योहारों की दौड़ धूप के बीच पर्याप्त पानी ,जूस या सूप लेना जरूर याद रखें क्योंकि गहमा गहमी के बीच आप के शरीर में नमी में कमी आ सकती है जिससे आपकी त्वचा शुष्क हो सकती है और आप थकी थकी से दिखने लगेंगी डांडिया डांस में त्वचा की चमक बरकरार रखने में पर्याप्त तरल पदार्थ लिक्विड बहुत जरूरी होता है नारियल पानी ,निम्बू पानी , ताजा पानी , ताजा जूस आपको तारो ताजा रखेगा जिससे आपको थकबाट महसूस नहीं होगी और आप की त्वचा प्रकृतिक तौर पर खिली रहेगी आप अपने साथ कंसन्ट्रेटे निम्बू जूस , चीनी , काला नमक और काली मिर्च पाउडर रखिये तथा ब्रेक के दौरान इसमें अपने स्वाद के अनूरूप पानी मिलाकर चुस्की लगा कर आहिस्ता आहिस्ता पी लीजिये इससे आप के शरीर में नियमित ऊर्जा का संचार होगा तथा आपका स्वास्थ्य और आपकी मूड दोनों ही जोश उत्साह से परिपूर्ण रहेंगे

पाँवो आपके जीवन का आधार होते हैं गरबा में आप दिल खोल कर जब नाचेंगी तो इसमें आपके पाँवों की सेहत और मजबूती दोनों ही बहुत जरूरी होती हैं अगर आप को सभी नौ दिन डांस करना है या समाजिक , धार्मिक उत्स्बों में सक्रिय हिस्सेदारी करनी है तो आप प्रतिदिन पाँवों पर जरूर ध्यान दीजिए अन्यथा कहीं आपके पाँवों ही जबाब न दे जाएँ

पांवों में थकाबट की बजह से होने बाली दर्द को कम करने और पाँवों को तरो ताजा रखने के लिए रोजाना सोने से पहले पांवों की मालिश बहुत जरुरी है

आधे टब गर्म पानी मे आधा कप बेकिंग सोडा , थोड़ा सा सैंधा नमक , एक कप एप्पल साइडर तथा कुछ बूंदें लैवेंडर तेल डाल कर अपने पाँवों को इस मिश्रण में कुछ देर तक टब में रहने दीजिये तथा उसके बाद पाँवों को साफ कॉटन से साफ कर लीजिये इससे आपके पाँव तरो ताजा ,मुलायम और सुदृढ रहेंगे

इस त्यौहार में दौरान अपनी प्राकृतिक आभा एवं सौंदर्य बनाए रखने के लिए सबसे पहले अपनी त्वचा को साफ करें तथा उस पर तरल मॉइस्चराइजर लगा लीजिए। तैलीय त्वचा के लिए कॉटनवूल की मदद में चेहरे पर अस्ट्रिजन्ट लोशन लगा लीजिए तथा कुछ मिनट तक इंतजार करने के बाद चेहरे के दाग धब्बों को फाउंडेशन लगाने से पहले संगोपक से ढक लीजिए या धब्बों पर हल्के रंग का फाऊंडेशन लगाए तथा उसके बाद पूरे चेहरे पर सामान्य फाऊंडेशन का उपयोग करें। यदि आप कोई मुहांसा या काला धब्बा कवर करना चाहते है तो उसे फाउंडेशन के उपयोग से पहले ढक लें।

चेहरे पर फाउंडेशन लगा कर इसे गीले स्पंज से या ऊंगलियों की मदद से चेहरे तथा गर्दन पर पूरी तरह मिला लें। फाऊंडेशन को स्थिर करने के लिए खुला पाऊडर उपयोग में लाएं फाउंडेशन को मटमैले टोन से उपयोग करें न कि गुलाबी टोन से। मेरी राय में भारतीय त्वचा पर मटमैला रंग काफी जंचता है। यदि आपकी त्वचा अत्यध्कि गोरी है तो गुलाबी रंगत वाली मटमैली टोन का उपयोग करें। यदि आपकी त्वचा निखरी है लेकिन इसमें पीलापन है तो उस दशा में गुलाबी रंगत वाली टोन का उपयोग न करें बल्कि बिस्कुट रंगत को टोन का उपयोग करें। सांवले रंग में भूरे रंग की टोन उपयुक्त है। मेरे विचार में ज्यादातर भारतीय त्वचा के रंग पीले की अपेक्षा मटमैले तथा बिस्किट फाउंडेशन में ज्यादा आकर्षक दिखते है।

नवरात्रों में पावन त्यौहारों में आप गोल्ड फाउंडेशन का उपयोग भी कर सकती है। इसे चेहरे पर लगाईए तथा गीले स्पंज से पूरे चेहरे पर धूमा दीजिए ताकि त्वचा को सुनहरी रंगत दी जा सके। जब भी आप मेकअप करे तो उसे जरूरत से ज्यादा न लीपें तथा न ही जयादा रंगड़े। फाउंडेशन या ब्लशर में उसे स्पर्श से उंगलियों के उपयोग से लगाना ही बेहतर होता है। इसे गीले स्पंज से भी हल्के तरीके से पूरे चेहरे पर लगाया जा सकता है।

गालों पर हल्के बल्शर का प्रयोग किया जाना चाहिए तथा पाऊडर ब्लशर का उपयोग आसानी से किया जा सकता है तथा उसे पाऊडर लगाने के बाद प्रयोग करें। इसे गालों पर लगाने के बाद ऊपरी तथा नीचली तरफ सहजता धीरे-धीरे लगाऐ।

उसके बाद गालों पर हल्के रंग हाईलाइटर का प्रयोग करें तथा इसे पूरी तरह त्वचा पर मिला लें।

रात्रि में ब्लशर के रंगों का होंठों के रंगों के अनूकूल होना जरूरी नहीं है यदि आपने नारंगी लिपस्टिक लगाई है तो नारंगी व्लशर का प्रयोग न करें। निखरी त्वचा के लिए गुलाबी तथा लाल ब्लशर का प्रयोग करें। यदि आपकी त्वचा में पीलापन है तो नारंगी ब्लशर के उपयोग से परहेज करें । गेहूएं रेग की त्वचा के लिए गुलाबी, मुंगिया, कांस्य रंग अत्याधिक लाभदायक हो सकते है तथा सांवले रंग के लिए आलू बुखारा, गहरा लाल रंग तथा कांस्य रंग सबसे ज्यादा उपयुक्त साबित होगा।

रात को सोने से पहले अपना मेक अप ज्वेलरी उतारना न भूलें ज्वेलरी पर दिन भर की जमा धूल मिट्टी को हटाने के लिए ज्वेलरी को धो कर साफ कपड़े से पौंछ दें ताकि किसी एलर्जी से बचा जा सके मेक अप को बेबी आयल की मदद से आहिस्ता से हटाएँ तथा प्रभाबित त्वचा पर आइस मलें त्वचा पर वर्जिन नारियल तेल की मालिश बहुत लाभदायक होगी

लेखिका अर्न्तराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौन्दर्य विशेषज्ञ है तथा हर्बल क्वीन के रूप में लोकप्रिय है।

ट्रंप की पीएम मोदी से बातचीत से भारत-अमेरिका संबंधों में सुधार की उम्मीद जगी

(जीएनएस)।

मंगलवार को, त्रवरत्न के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संपर्क किया, मोदी के 75वें जन्मदिन से पहले उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। इस इशारे से दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों में संभावित पुनसंयीजन की उम्मीद जगी है। तनाव तब पैदा हुआ जब त्रवरत्न ने भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ को दोगुना कर 50 प्रतिशत कर दिया। मोदी ने ट्रम्प की भावनाओं को व्यक्त करते हुए, भारत- त्रवरत्न साझेदारी को बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

ट्रम्प और मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

सोशल मीडिया पोस्ट में, मोदी ने यूक्रेन संघर्ष को शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने की दिशा में ट्रम्प की पहल का समर्थन व्यक्त किया। ट्रम्प ने मोदी के प्रयासों को स्वीकार करते हुए, यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने में उनके समर्थन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। यह कॉल नई दिल्ली में भारत और त्रवरत्न के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के संबंध में बातचीत के एक नए दौर के साथ हुई।

मोदी ने ट्विटर, जिसे पहले ट्विटर के नाम से जाना जाता था, पर ट्रम्प को उनकी हार्दिक जन्मदिन की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया और भारत- त्रवरत्न व्यापक और वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। ट्रम्प की कॉल मोदी के जन्मदिन से ठीक एक दिन पहले आई, जो त्रवरत्न द्वारा भारतीय वस्तुओं पर बढ़े हुए टैरिफ लगाने के बाद उनकी पहली सीधी बातचीत थी।

डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ को दोगुना करने के फैसले के बाद, जिसमें भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद से संबंधित अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है, नई दिल्ली और वाशिंगटन के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण रहे हैं। भारत ने इन कार्यों को अनुचित और अनुचित बताया है।

हाल के हफ्तों में, व्हाइट हाउस व्यापार सलाहकार पीटर नवारो सहित ट्रम्प प्रशासन के कई अधिकारियों ने भारत के खिलाफ, विशेष रूप से रूस के साथ उसके ऊर्जा संबंधों के बारे में, सख्त भाषा का इस्तेमाल किया है। भारत ने रियायती रूसी तेल की अपनी खरीद का बचाव करते हुए, राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता को इसके प्रेरक कारकों के रूप में उद्धृत किया है।

दिन में पहले, भारत और त्रवरत्न ने व्यापार पर एक नए दौर की चर्चा की। भारत में त्रवरत्न दूतावास के एक प्रवक्ता ने कहा कि दोनों पक्षों ने अपनी द्विपक्षीय व्यापार वाताओं के अगले कदमों पर विचार-विमर्श किया। सहायक त्रवरत्न व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच ने 16 सितंबर को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश अग्रवाल के साथ रचनात्मक बातचीत की।

व्यापार वार्ता फिर से शुरू करने का निर्णय, ट्रम्प की भारत और त्रवरत्न के बीच व्यापार बाधाओं को दूर करने के बारे में हालिया टिप्पणियों पर मोदी की सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद आया था। ट्रम्प ने जल्द ही मोदी से बात करने और व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में प्रगति की उम्मीद जतायी।

मोदी ने जोर देकर कहा कि भारत और त्रवरत्न स्वाभाविक भागीदार हैं, दोनों पक्षों की टीमें व्यापार समझौते पर बातचीत को समाप्त करने के लिए लगन से काम कर रही हैं। पिछले कुछ महीनों में कई दौर की बातचीत के बावजूद, कृषि और डेयरी जैसे क्षेत्रों में तीखे मतभेदों के कारण एक समझौते को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका है।

सोशल मीडिया पर मोदी और ट्रम्प के बीच का आदान-प्रदान दोनों देशों द्वारा अपने संबंधों को सुधारने के व्यापक प्रयासों का एक हिस्सा माना जाता है। राजनयिक संचार जारी रहने के साथ, दोनों देश रचनात्मक संवाद और सहयोग के माध्यम से चुनौतियों पर काबू पाने और अपनी साझेदारी को मजबूत करने का लक्ष्य रखते हैं।

क्षतिग्रस्त सिग्नल केबल सभी क्षेत्रों में रेलवे सुरक्षा और संचालन के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं

(जीएनएस)।

भारतीय रेल ने अपने सभी जोनों को एक चेतावनी जारी की है, जिसमें बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के दौरान बढ़ी हुई सतर्कता बरतने पर जोर दिया गया है। रेलवे बोर्ड ने रेखांकित किया कि सिग्नल और दूरसंचार केबलों को नुकसान पहुंचाने से महत्वपूर्ण सुरक्षा खतरे पैदा होते हैं और इससे ट्रेन संचालन बाधित हो सकता है, जिसके संभावित रूप से गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

सिग्नल केबल क्षति से रेलवे सुरक्षा को खतरा

हाल ही में एक संचार में, रेलवे बोर्ड ने सभी जोनों को संबोधित करते हुए चल रही विस्तृत बुनियादी ढांचा, सुरक्षा और विश्वसनीयता वृद्धि परियोजनाओं का उल्लेख किया। इनमें ट्रैक का दोहरीकरण, यार्ड का पुनर्गठन, बाउंड्री वॉल का निर्माण और लिमिटेड हाइट सबवे (छल्र), ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग (अइर) और कवच जैसी प्रणालियों को लागू करना शामिल है। हालाँकि, इन गतिविधियों के दौरान केबल क्षति की बार-बार घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिससे सिग्नल फेल्योर और परिचालन व्यवधान हो रहे हैं।

सुरक्षा चिंताएं और निर्देश

बोर्ड ने इस बात पर जोर दिया कि केबल क्षति के कारण बार-बार सिग्नल फेल्योर होना ट्रेन सेवाओं की सुरक्षा और विश्वसनीयता के लिए खतरा है। रेलवे ट्रैक के साथ सिग्नल और दूरसंचार केबलों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा निर्देश जारी करने के बावजूद, केबल कटने की रिपोर्ट आना जारी है। बोर्ड ने कई निवारक उपायों की सिफारिश की है, जिसमें खुदाई से पहले उपयोगिता को स्थानांतरित करना, विभागों के बीच उचित समन्वय और सभी जोनों को परिचालित एकीकृत केबल रूट प्लान का पालन करना शामिल है।

पिछला संचार और वर्तमान चुनौतियाँ

2023 में, रेलवे बोर्ड ने बुनियादी ढांचे के काम के लिए एहतियाती उपायों को रेखांकित करते हुए सभी जोनों को कई लिखित संचार जारी किए। हालाँकि, अधिकारियों ने इन निदेर्शों का लगातार पालन नहीं किया है, जिसके परिणामस्वरूप सिग्नल केबल क्षति के कई मामले सामने आए हैं। कवच ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम और आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम की स्थापना जैसी चल रही परियोजनाओं के साथ, अधिकारियों को सावधानी बरतनी चाहिए।

सुरक्षा प्राथमिकताओं पर आधिकारिक बयान

एक अधिकारी ने नियमित ट्रेन संचालन के साथ-साथ बुनियादी ढांचे का काम करने की चुनौती को स्वीकार किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्याप्त निर्देश और सुरक्षा उपाय मौजूद हैं और उन शॉर्टकट से बचने की चेतावनी दी जो गंभीर परिणाम ला सकते हैं।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

वड़ोदरा मंडल द्वारा गोधरा यार्ड में एनडीआरएफ संग संयुक्त मॉक अभ्यास का सफल आयोजन

वड़ोदरा रेल मंडल द्वारा सुरक्षा मानकों का आकलन एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों की जाँच हेतु आज गोधरा यार्ड की लाइन नं. 2 पर एनडीआरएफ के सहयोग से मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

सुबह 11:12 बजे गोधरा स्टेशन प्रबंधक द्वारा कंट्रोल रूम को सूचना दी गई कि शंटिंग के दौरान दो कोच लाइन नं. 2 पर डिरेल हो गए हैं। सूचना मिलते ही वड़ोदरा से एक्सीडेंट रिलीफ मेडिकल इक्विपमेंट एवं एक्सीडेंट रिलीफ ट्रेन गोधरा के लिए रवाना की गई। तत्पश्चात रेलवे अथॉरिटी, सिविल अथॉरिटी, ठऊफ्ऋ रऊफ्ऋ फायर ब्रिगेड, स्थानीय पुलिस, फ्ढऋ सिविल डिफेंस एवं स्थानीय अस्पतालों को अलर्ट किया गया।

घटनास्थल पर घायलों के उपचार हेतु टेंट स्थापित किए गए, यूनिफाइड कमांड सेंटर बनाया गया तथा गोधरा स्टेशन व साइट पर हेल्पलाइन बूथ स्थापित किए गए। रेलवे एवं ठऊफ्ऋ की टीमों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। इस दौरान एटफ्ऋ-108 की दो एंबुलेंस भी तैनात थीं।

संयुक्त प्रयासों से 13 काल्पनिक पीड़ितों (11 घायल एवं 2 मृत) को कोच की खिड़की व छत काटकर सुरक्षित बाहर निकाला गया। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों एवं मृतकों को सिविल अस्पताल भेजा गया।

मॉक ड्रिल की निगरानी वड़ोदरा मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री शरद गौतम एवं ठऊफ्ऋ के डिप्टी कमांडेंट श्री संजय ने की। दोपहर 14:30 बजे वड़ोदरा मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने बताया कि यह केवल एक अभ्यास था, जिसका मुख्य उद्देश्य आपदा के समय रेलवे एवं आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी एजेंसियों की तत्परता व क्षमता का आकलन करना था। उन्होंने सफलतापूर्वक मॉक ड्रिल संपन्न कराने के लिए सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

संक्षिप्त समाचार

साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस आंशिक निरस्त रहेगी

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर महेसाणा-पालनपुर सेक्शन में धारेवाड़ा-छापी स्टेशनों के बीच इंजीनियरिंग कार्य हेतु ब्लॉक के चलते साबरमती-जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस आंशिक निरस्त रहेगी। जिसका विवरण इस प्रकार है:-

- 18 सितंबर 2025 की ट्रेन संख्या 14822 साबरमती-जोधुपर एक्सप्रेस साबरमती और आबूरोड के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।
- 17 सितंबर 2025 की ट्रेन संख्या 14821 जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस आबूरोड और साबरमती के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

ट्रेनों के ठहराव, मार्ग और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भावनगर टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 2 अतिरिक्त व्हिल चेयर की सुविधा

दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल के भावनगर टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर 2 अतिरिक्त व्हिल चेयर की व्यवस्था की गई है।

वंदे मातरम सेवा संघ की प्रेरणा से श्रीमती कुसुमबेन खांतिलाल शाह (हारीज वाला) हस्ते श्रीमती चंपाबेन दिपकभाई शाह परिवार और श्रीमती मुक्ताबेन जयंतिलाल शेठ (पालिताना वाला) हस्ते श्रीमती अलकाबेन सुबोधभाई सेठ की ओर से यह दोनों व्हिल चेयर भावनगर टर्मिनस स्टेशन पर दिनांक 16.09.2025 (मंगलवार) को उपलब्ध कराई गई।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, भावनगर डिविजन श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए भावनगर टर्मिनस स्टेशन पर दो व्हिल चेयर पहले से मौजूद है तथा दो अतिरिक्त व्हिल चेयर प्राप्त हो जाने से अब इनकी संख्या बढ़कर 4 हो गई है।

इस अवसर पर वंदे मातरम सेवा संघ की ओर से श्री किशोरभाई भट्ट, श्री के. डी. शाह, श्री हरदेवसिंह गोहिल, श्री हितेशभाई पारेख, श्री कौशिकभाई अजवालिया, श्री वजुभाई वाला एवं श्री अनिल सिंह (बनारस वाले) उपस्थित थे। रेलवे प्रशासन की ओर से मंडल वाणिज्य निरीक्षक, स्टेशन अधीक्षक, टिकट चेकिंग स्टॉफ सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

भावनगर टर्मिनस स्टेशन पर यह सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने वंदे मातरम संघ एवं दानदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय मंत्री श्री जे. पी. नड्डा ने नई दिल्ली में मेडटेक फोरम 2025 को संबोधित किया

सुलभ, किफायती स्वास्थ्य सेवा और नवाचार के लिए मेडटेक क्षेत्र महत्वपूर्णः श्री जे. पी. नड्डा ने विकसित भारत 2047 विजन को प्राप्त करने हेतु सहयोग का आह्वान किया

ह्भारत न केवल एक उच्च-मात्रा निमार्ता के रूप में उभर रहा है, बल्कि वैश्विक मेडटेक बाजार में एक उच्च-मूल्यवान देश के रूप में भी उभर रहा हैह्वः केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल

डॉ. विनोद के. पॉल ने चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान और विकास, सामर्थ्य तथा घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार की परिवर्तनकारी पहलों को रेखांकित किया

(जीएनएस)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज नई दिल्ली से एक वीडियो संदेश के माध्यम से 11वें एशिया प्रशांत मेडटेक फोरम (एपीएसीमेड) 2025 के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में इस बात पर बल दिया कि मेडटेक क्षेत्र भारत में स्वास्थ्य परिवर्तन का एक प्रमुख स्तंभ है। उन्होंने इस क्षेत्र के व्यापक दायरे को रेखांकित किया। इसमें निदान, उन्नत उपकरण, डिजिटल स्वास्थ्य और एआई-संचालित समाधान शामिल हैं - ये सभी स्वास्थ्य सेवा को प्रत्येक नागरिक के लिए अधिक सुलभ, कुशल और किफायती बनाने में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र उच्च-गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा का एक विश्वसनीय प्रदाता बन गया है। इसे पहुँच, नवाचार और बुनियादी ढाँचे के विकास पर सरकार से समर्थन प्राप्त है।

केंद्रीय मंत्री महोदय ने उन्नत विनिर्माण, जटिल प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और विकास तथा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकरण के माध्यम से भारत में एपीएसीमेड सदस्यों की बढ़ती उपस्थिति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि फोरम का विषय और एजेंडा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है।

श्री नड्डा ने इस वर्ष के फोरम के चार विषयगत स्तंभों को रेखांकित किया :

मेडटेक में वैश्विक नेतृत्व के लिए भारत को खोलना

सीमाहीन नवाचार - बेहतर से सफलता की ओर

सभी के लिए मेडटेक - आदर्श प्रदान करना और परिणाम प्राप्त करना

मेडटेक का विस्तार - भारत के मेडटेक भविष्य में निवेश

उन्होंने बताया कि ये स्तंभ एक ऐसी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के साझा दृष्टिकोण का सार प्रस्तुत करते हैं, जो नवोन्मेषी, समावेशी और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी हो। श्री नड्डा ने विश्वास व्यक्त किया कि अगले दो दिनों के विचार-विमर्श से रणनीतियों को आकार मिलेगा, नए अवसर खुलेंगे और भारत को चिकित्सा प्रौद्योगिकी का वैश्विक केंद्र बनाने के मिशन को मजबूती मिलेगी।

केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने समारोह को संबोधित करते हुए भारत के मेडटेक और चिकित्सा उपकरण क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सरकार की कई प्रमुख पहलों को रेखांकित किया। इनमें घटक निर्माण को समर्थन देने के लिए एक नई योजना, साझा बुनियादी ढाँचे का विकास, ब्रांडिंग और महत्वपूर्ण बाजार और नैदानिक अध्ययन शामिल हैं।

उन्होंने सरकार की निवेशक-अनुकूल नीतियों पर भी बल दिया। इनमें चिकित्सा उपकरणों में शत प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, एक निर्यात संवर्धन परिषद की स्थापना और व्यापार को आसान बनाने और निर्यात के अवसरों को व्यापक बनाने के लिए एक राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण संवर्धन परिषद का गठन शामिल है।

श्रीमती पटेल ने कहा की "भारत न केवल एक उच्च-मात्रा वाले निमार्ता के रूप में उभर रहा है, बल्कि वैश्विक मेडटेक बाजार में एक उच्च-मूल्य वाले देश के रूप में भी उभर रहा है। अगली छलांग सहयोग से आएगी और मैं सभी हितधारकों को भारत के साथ मिलकर ऐसे समाधान बनाने के लिए आमंत्रित करती हूँ जो हमारे 1 अरब 40 करोड़ नागरिकों और उभरते बाजारों की व्यापक स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं दोनों की पूर्ति करेंगे।"

नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. विनोद के. पॉल ने कार्यक्रम में बोलते हुए चिकित्सा उपकरण क्षेत्र में नवाचार, अनुसंधान और विकास, सामर्थ्य और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए हाल के वर्षों में सरकार द्वारा किए गए परिवर्तनकारी उपायों की श्रृंखला की रूपरेखा प्रस्तुत की।

उन्होंने राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नीति 2023 को एक ऐतिहासिक कदम बताया, यह समग्र क्षेत्रीय विकास के लिए एक व्यापक रूपरेखा तैयार करती है। फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और विकास और नवाचार नीति, आंध्र मेडटेक जोन की तर्ज पर चिकित्सा उपकरण पार्कों का विकास, उत्पादकता से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना, और फार्मा-मेडटेक क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने (पीआरआईपी) की शुरूआत। इसे ब्रिक्स योजना के रूप में जाना जाता है और इसके पूरक के रूप में कार्य किया है।

एपीएसीमेड के एशिया प्रशांत क्षेत्र के अध्यक्ष जॉन कॉलिंग्स ने एक एकीकृत आवाज बनाकर देखभाल के मानकों को आगे बढ़ाने के एपीएसीमेड के उद्देश्य को रेखांकित किया। इससे उन्हें बाजार पहुँच बढ़ाने के लिए नियामक मानकों में सामंजस्य स्थापित करने हेतु नीति निमार्ताओं के साथ जुड़ने का अवसर मिलता है।

16-17 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले इस दो दिन के फोरम का आयोजन एशिया पैसिफिक मेडिकल टेक्नोलॉजी एसोसिएशन द्वारा "स्वस्थ भारत - एक स्वस्थ भारत, साथ मिलकर" थीम के अंतर्गत किया जा रहा है। इस फोरम में एशिया प्रशांत क्षेत्र के 10 से ज्यादा देशों के वरिष्ठ नीति निमार्ताओं, वैश्विक उद्योग जगत के नेताओं, नियामकों और स्वास्थ्य सेवा विशेषज्ञों को एक मंच पर लाया गया है। इससे प्रधानमंत्री के हेल्थकेयर विजन 2030 और विकसित भारत 2047 के अनुरूप भारत के मेडटेक रोडमैप को आकार देने की रणनीतियों पर चर्चा की जा सके।

2014 में स्थापित और सिंगापुर में मुख्यालय वाला, एशिया पैसिफिक मेडिकल टेक्नोलॉजी एसोसिएशन (एपीएसीमेड) 350 से ज्यादा अग्रणी चिकित्सा उपकरण कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है और विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा उपकरण नियामक मंच जैसी वैश्विक नियामक संस्थाओं के साथ मिलकर काम करता है। भारत में, एपीएसीमेड के 40 से ज्यादा सदस्य संगठन उच्च-गुणवत्ता वाले और नवोन्मेषी स्वास्थ्य सेवा समाधानों तक पहुँच बढ़ाने के लिए सरकार और व्यापार संघों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

जीवेत शरदः शतम्

स्वभाव स्वच्छता - संस्कार स्वच्छता

सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार

17 सितम्बर से

स्वच्छोत्सव और स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार

अभियान का राज्यव्यापी शुभारंभ

स्वच्छोत्सव 2025

17 सितम्बर से 31 अक्टूबर तक राज्यव्यापी स्वच्छता अभियान

धार्मिक और **पर्यटन स्थलों की सफाई**

शहर के सभी **उद्यान, बगीचे, फुटपाथ और मुख्य मार्गों की सफाई**

सभी **आवासीय, वाणिज्यिक और स्लम क्षेत्रों की सफाई**

शहर के सभी **G.V.P. (गार्बेज वल्नरेबल पॉइन्ट्स) और C.T.U. (क्लीनलीनेस टार्गेट यूनिट्स)** की सफाई

सफाईमित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन

जनभागीदारी के माध्यम से **स्वच्छता को प्रोत्साहन**

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार

गुजरात में यह अभियान 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2025 तक स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान मनाया जाएगा

17 सितंबर से 16 अक्टूबर तक मनाया जाएगा 8वाँ पोषण माह

सही पोषण-देश रोशन के मंत्र के साथ राज्यव्यापी कार्यक्रम

17 सितम्बर को **अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम सहित 600 स्थानों पर मेगा रक्तदान शिविर का** आयोजन भी किया जाएगा

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी द्वारा मध्यप्रदेश से स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ

महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण आधारित कार्यक्रमों का राज्यव्यापी आयोजन

इनमें **10,849 विशेषज्ञ स्वास्थ्य शिविरों** और **1,30,188 स्क्रीनिंग शिविरों** के माध्यम से नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाएंगी

राज्य में अनुमानित **1.41 लाख से अधिक** स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन

स्वस्थ नारी, स्वच्छ परिवेश

सशक्त गुजरात का बढ़े उत्कर्ष